अतिरिक्त लेख - 3

बाइबल
बाइबल में निशान लगाना

अपने निजि निशान चुने जो आप बाइबल पढ़ते समय विशेष लेखाँशों पर लगाना चाहेंगे।।
ये निम्न कारणो से लाभदायक होते हैं -

1. यह आप के ध्यान को केन्द्रित करने में प्रभावशाली होता है।
2. इनके द्वारा लेखाँशों को जिन्हें आप पढ़ना चाहते हैं उन्हे आसानी से बाइबल में ढूँढ सकते हैं।
3. इनके द्वारा आप पूरी बाइबल में लिखे विषयों का आसानी से अध्ययन कर सकते हैं।

(क)यह निशान को एक शीर्षक दें। बाइबल के
हर अध्याय को एक शीर्शक दे दें। जैसे भजन संहिता 1 का शीर्षक है **दो रास्ते**

(ख) एक गोलाकार जिन पदों को आप विशेष 11
समझते उन आगे लिखे अंक पर गोला लगा दे। भजन (1) पद (3)

(ग) रेखाँकित करना महत्वपूरणशब्दो को
रेखाँकित करना। उदाहरण जैसे पद 2 <u>दिन और रात मनन करें</u>

(घ)चित्रों या चिन्ह लगा कर हाशिए में चिन्ह महत्तवपूर्ण विषय़ों के लिए चिन्ह या चित्र बनाएँ।

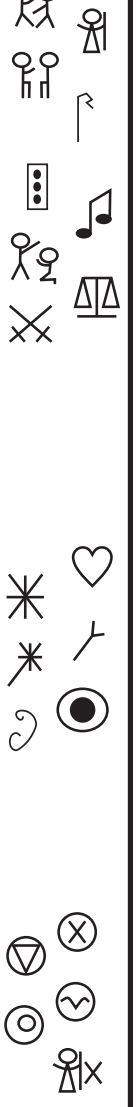


परमेश्वर
चरित्र + परमेश्वर के कार्य
चरित्र + यीशु मसीह के कार्य
चरित्र + पवित्र आत्मा के कार्य

मसीह के कार्य
सृष्टि की रचना + प्रकृति
मसीह की पहली आमद, अवतार
मसीह की मृत्यु
पुनर्जीवित होना + पुनरोउत्थान
मसीह की मसीह के दूसरे आगमन का
मूल्याँकन करना

सुसमाचार
पाप + पाप के परिणाम
वर्तमान न्याय + भविष्दकाल का न्याय
पुनर्जन्म, पश्चाताप्, परिवर्तन, सुधार
विश्वास, भरोसा
उद्धार, क्षमा, न्याय
वाचा

मसीही जीवन
सम्बन्ध +परमेश्वर या यीशु से संगति
बाइबल, परमेश्वर का वचन, प्रेरणा,
गलत नही होने वाला
शैतान , दुष्यात्माएँ, दुष्टआत्माओं के वश
मे बढ़ना, परिपक्वता
शुद्ध करना, मसीही चरित्र
प्रार्थना और आराधना
मसीही लोगो के साथ संगति
झूठे भविष्यद्वक्ता,, झूठे शिक्षक



मसीही सेवकाई
सुसमयाचार प्रचार + गवाही देना
स्थापित करना, चेसे बनाना
लैस करना + प्रशिक्षण देना
अगुवो, भविष्यद्वक्ता, प्रेरितो, प्राचीनों
आदि की अगुवाई करना।
सलाह देना
अनुशासन
योजना बनाना, सुव्यवस्थित (अगुवाई) करना,
स्तुति आराधना करना, संगीत की रचना
करना
चँगाई
सामाजिक न्याय, इमानदारी
आत्मिक भलाई, आत्मिक शस्त्र

मसीही बुद्धि-ज्ञान (भला + बुरा)
दिल, व्यवहार
मन, विचार, विवेक
ज़ुबान, शब्द, बोलना
हाथ, कर्म
आखें, देखना, और अवलोकन करना
कभी कान, सुनाई देना, सुनना

शत्रु
ओकल्टिज़म, आत्माओं से सम्बन्ध बनाना,
जादु-टोहना, शगुन-अपशगुन की विद्या
दुनियादारी, पापमय और भ्रष्ट संसार

	फलवन्त और प्रभावशाली होना		**पुराना नियम**
	आज्ञाकारिता, और मसीह के समान जीना		प्रकाशन
	बढ़ना, परिपक्व होना		इस्राएल
	शुद्ध होना, मसीही चरित्र		अन्यजाति के राष्ट्र
	सेवकाई		कानून(नैतिक, रस्मी,, नागरिक + परमेश्वर की माँग
	प्रेम		मन्दिर
	आशा दुख,सताव और परीक्षाएँ		बलिदान
	विवाह, लड़की और लड़के के सम्बन्ध		
	बाइबल की महिलाएँ		
	माता-पिता और बच्चों का समबन्ध		**बाइबल की व्याख्या**
	काम, पेशा, व्यवसाय		साँस्कृतिक नज़रिया, प्रसंग सहित व्याख्या
	पैसा, दान		आलंकारिक वचन बोलना
			भविष्यद्वाणियों का पूरा होना
	बपतिस्मा		
	चर्च, कलीसिया, घर की संगति		
	मृत्यु, पुनरुत्थान, शरीर+प्राण /आत्मा		